



लेखक: जी. एम. सोलंकी

(Author: G. M. Solanki)

WhatsApp **9981878283**

agriNow

agriNow

आपकी गन्ने की फसल भी देगी बंपर उत्पादन

RECORD PRODUCTION FOR RIGHT KNOWLEDGE

प्रमुख बातें Services:

- ✓ प्रमाणित बीज और बुवाई की विधि 🧑
- ✓ सिंचाई व खाद प्रावधान।
- ✓ रोग व कीटों से सुरक्षा का संपूर्ण ज्ञान।

🌾 स्पेशल किसान के लिए!



Agriknow



गन्ने की खेती:

बंपर उत्पादन का संपूर्ण ज्ञान



गन्ने की खेती: बंपर उत्पादन का संपूर्ण ज्ञान

अनुभवी किसान की सलाह और आधुनिक
विज्ञान का सटीक तालमेल

लेखक: GM SOLANKI
(किसान – Agri-Researcher)



लेखक: GM SOLANKI

(किसान – Agri-Researcher)

✓ "अनुभवी किसान की सलाह और आधुनिक विज्ञान के सटीक तालमेल पर आधारित ई-बुक" 🌱📖

(Index)

अध्याय 1:

गन्ने की खेती की नींव और खेत की तैयारी

गन्ने की फसल का महत्व और प्रमुख उद्देश्य.

खेत का चुनाव और फसल चक्र (Crop Rotation) का महत्व.

मिट्टी की तैयारी: गहरी जुताई से लेकर पाटा लगाने तक का सफर.

जैविक खाद और मेड़ (Ridges) बनाने की विधि.

अध्याय 2:

उन्नत किस्मों का चुनाव – सफलता का रहस्य

सफलता का रहस्य: सही और उन्नत किस्मों का वैज्ञानिक चुनाव



उत्तर भारत की धड़कन

Co 0238 (करण-4) – सबसे प्रसिद्ध लेकिन नई बीमारियों की चुनौतियों के साथ।

क्षेत्रवार किस्में

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु के जलवायु के अनुसार प्रमाणित बीजों का चुनाव।

भविष्य की किस्में

रोग-प्रतिरोधक और नई प्रजातियाँ (जैसे Co 15023, CoLk 14201) को प्राथमिकता दें।

किस्म चुनने के वैज्ञानिक पैरामीटर्स.

Co 0238 (करण-4): उत्तर भारत की सबसे प्रसिद्ध किस्म और उसकी चुनौतियाँ.

क्षेत्रवार प्रमुख किस्में: उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु के लिए सुझाव.

नई और रोग-प्रतिरोधक किस्में (Co 15023, CoLk 14201 आदि).

अध्याय 3:

बीजोपचार और बुवाई का समय

बुवाई के तीन मुख्य सीजन: शरदकालीन, बसंतकालीन और अड़साली.

शरदकालीन बुवाई (सितंबर-अक्टूबर) को 'गोल्डन टाइम' क्यों माना जाता है?.

प्रमाणित बीज की व्यवस्था और एक एकड़ के लिए ज़रूरत.

बीजोपचार की अनिवार्य विधियाँ: गर्म पानी और रासायनिक उपचार.

अध्याय 4:

बुवाई की आधुनिक और वैज्ञानिक विधियाँ

पारंपरिक क्यारी नहीं, आधुनिक 'ट्रेंच विधि' है वैज्ञानिकों की पहली पसंद

पारंपरिक विधियाँ (समतल क्यारी और नाली विधि)
- कम पैदावार और पानी की बर्बादी।

ट्रेंच (गहरी नाली) विधि - अधिक उत्पादन,
गिरने से बचाव और पानी की बचत।

आधुनिक तकनीकें अपनाएं: बड चिप (Bud Chip) विधि, रिंग पिट (Ring Pit) विधि,
और दोहरी कतार पद्धति (Double Row Method)।

पारंपरिक विधियाँ: समतल क्यारी और नाली विधि.

वैज्ञानिकों की पहली पसंद: ट्रेंच (गहरी नाली) विधि और इसके लाभ.

आधुनिक तकनीकें: बड चिप विधि और रिंग पिट विधि.

दोहरी कतार पद्धति (Double Row Method) के सूत्र.

अध्याय 5:

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन – संतुलित आहार

मिट्टी परीक्षण (Soil Test) की महत्ता.

मुख्य पोषक तत्व: NPK (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैश) के कार्य.

द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्वों का रोल (कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर, जिंक, बोरॉन).

जैव-उर्वरक (Bio-Fertilizers) और टॉप ड्रेसिंग का सही शेड्यूल.

मिट्टी परीक्षण और संतुलित पोषण से तय होती है गन्ने की मोटाई



मुख्य तत्व

NPK (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैश) का सटीक संतुलन।

सूक्ष्म तत्व

द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्वों (कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर, जिंक, बोरॉन) की पूर्ति।

जैविक पहल

जैव-उर्वरक (Bio-Fertilizers) का प्रयोग और टॉप ड्रेसिंग का सही शेड्यूल।

अध्याय 6:

सिंचाई प्रबंधन - "जल ही जीवन है"

पहली सिंचाई और गर्मियों/सर्दियों का सिंचाई अंतराल.

सिंचाई की सबसे महत्वपूर्ण अवस्थाएँ (Critical Stages): टिलरिंग और ग्रैंड ग्रोथ.

आधुनिक सिंचाई: ड्रिप इरिगेशन और फर्टिगेशन के फायदे.

अध्याय 7:

खरपतवार और फसल की सुरक्षा

खरपतवार नियंत्रण के समय और तरीके (निराई-गुड़ाई और मल्टिचिंग).

मिट्टी चढ़ाना (Earthing Up): पौधों को सहारा देने की प्रक्रिया.

गन्ने की बंधाई (Propping): फसल को गिरने से बचाने के तरीके.

अध्याय 8:

प्रमुख रोग और उनका व्यवस्थित नियंत्रण

'गन्ने का कैंसर' (Red Rot) और अन्य प्रमुख रोगों की सटीक पहचान



लाल सड़न रोग (Red Rot) - गन्ने का कैंसर। इसे पहचानें और प्रभावित पौधों को तुरंत नष्ट करें।



गेरुआ (Rust) - पत्तियों पर जंग जैसे धब्बे।



उकठा (Wilt) और गुदामड़ी (Smut) - चावुक जैसी काली संरचना निकलना।



ग्रासी शूट (Grassy Shoot) - घास की तरह अनगिनत कल्ले निकलना।

लाल सड़न रोग (Red Rot): गन्ने का कैंसर और उसका इलाज.

अन्य बीमारियाँ: गेरुआ (Rust), उकठा (Wilt), गुदामड़ी (Smut) और ग्रासी शूट.

रोगों से बचाव के सामूहिक उपाय और सावधानियाँ.

अध्याय 9:

प्रमुख कीट प्रबंधन – शत्रुओं पर वार

जड़ों के दुश्मन: दीमक की रोकथाम.

छेदक कीट: अगेया छेदक (Early Shoot Borer) और तना छेदक.

रस चूसक कीट: सफेद मक्खी, चेंपा (Aphid) और पायरीला.

जैविक नियंत्रण: ट्राइकोग्रामा कार्ड और नीम के तेल का उपयोग.

अध्याय 10:

अंतर्वर्ती खेती, कटाई और पेड़ी प्रबंधन



सहफसली (Intercropping): एक ही खेत से दोहरा मुनाफा

- ✔ गन्ने की शुरुआती धीमी वृद्धि का लाभ उठाएं।
- ✔ ट्रेंच विधि के बीच की खाली जगह का सदुपयोग।
- ✔ दलहनी या तिलहनी फसलों (जैसे सरसों, चना) के साथ खेती कर अतिरिक्त आय और मिट्टी की नाइट्रोजन में वृद्धि।

सहफसली (Intercropping): एक खेत से दोहरा मुनाफा कमाने की रणनीति.

परिपक्वता की पहचान और ब्रिक्स रीडिंग (Brix Reading).

कटाई की सही विधि और मिल आपूर्ति.

पेड़ी (Ratoon) प्रबंधन के सुनहरे सूत्र और अधिक पैदावार के टिप्स.

full ebook price

📖 फसल eBooks (फसल बुवाई से कटाई तक) - संपूर्ण मूल्य सूची

🍅 सब्जियां (Vegetables)	🌾 अनाज & अन्य (Grains & Others)
🍅 प्याज की उन्नत खेती (New!): ₹101	🌾 मक्का की उन्नत खेती: ₹53
🍆 बैंगन की रोग मुक्त खेती: ₹54	🌾 गन्ना (बंपर उत्पादन): ₹48
🍅 टमाटर: ₹52	🌾 गेहूँ: ₹47
🌶 मिर्च & कैप्सिकम: ₹51	🍚 धान (Rice): ₹46
🧄 लहसुन: ₹50	🌻 सरसों: ₹45
🌿 मटर: ₹49	🌾 डॉलर चना: ₹44
	🌱 मूंग की वैज्ञानिक खेती: ₹43